ओ३म्

आर्य मार्तण्ड

वैदिक संस्कृति संरक्षण एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजापार्क, जयपुर

वर्ष 97 अंक 19 पृष्ठ 16 मूल्य ₹5/- जुलाई प्रथम प्रकाशन 05 जुलाई से 20 जुलाई, 2023

जयपुर चलो

ओ३म्

जयपुर चलो

महान समाज सुधारक, आर्यसमाज के संस्थापक

महर्षि दयानन्द सरस्वती

की **200 वीं जयन्ती**

पर दो वर्षीय विश्वव्यापी आयोजनों के अन्तर्गत

भव्य आर्य महासम्मेलन

दिनांक – 23, 24 सितम्बर 2023

स्थान : राजस्थान विश्वविद्यालय, कॉलेज ग्राउंड, JLN मार्ग, जयपुर

200 वीं सदैव सत्य
महर्षि दयानन्द सरस्वती | जयन्ती 1824-2024

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर आपका हार्दिक स्वागत करती है।

प्रधान – किशनलाल गहलोत, मंत्री – जीव वर्धन शास्त्री, कोषाध्यक्ष – जयसिंह गहलोत

आर्य महासम्मेलन, जयपुर के संबंध में आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली के पदाधिकारियों से विमर्श किया, इसमें श्री धर्मपाल आर्य, श्री विनय आर्य, श्री किशनलाल गहलोत, श्री जीव वर्धन शास्त्री, डॉ. मोक्षराज, श्री रवि चड्ढा, गोवर्धन सिंह चौधरी आदि ने भाग लिया।

आर्य समाज छानी बड़ी में वृष्टि यज्ञ का आयोजन

अपनी शादी के 34 वीं वर्षगांठ पर यज्ञ करते हुए श्री गोवर्धन चौधरी, बीकानेर।

श्री गोवर्धन सिंह जी,बीकानेर अपने जन्मदिन पर फलाहार कराते हुए।

30 जून 2023 का प्रोग्राम लोहार्गल जिला झुंझुनू जाट समाज छात्रावास में वैदिक रथ के संचालक स्वामी चेतनानंद सरस्वती जी द्वारा वैदिक प्रवचन।

आर. एन. आई. नं. 10471/60

ओ३म्

आर्य मार्तण्ड

आर्य प्रतिनिधि सभा राज. का मुखपत्र

श्रावण, कृष्णपक्ष, प्रतिपदा, सम्वत् 2080, कलि सम्वत् 5124, दयानन्दाब्द 199, सृष्टि सम्वत् 01,96,08,53,124

संरक्षक

1. डॉ. रमेशचन्द गुप्ता, अमेरिका
2. श्री दीनदयाल गुप्त (डॉलर फाउन्डेशन)

प्रेरणा स्रोत

1. श्री विजयसिंह भाटी
2. श्री जयसिंह गहलोत

सम्पादक

1. श्री जीव वर्धन शास्त्री

परामर्शक

1. डॉ. मोक्षराज

सम्पादक मण्डल

1. डॉ. सुधीर कुमार शर्मा
2. श्री अशोक कुमार शर्मा
3. डॉ. सन्दीपन कुमार आर्य
4. श्री नरदेव आर्य
5. श्री बलवन्त निडर
6. श्री ओमप्रकाश आर्य

आर्य मार्तण्ड

वार्षिक सदस्यता शुल्क	–	रु. 100/–
पाक्षिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 2100/–
मासिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 5100/–
षाण्मासिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 11000/–
वार्षिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 21000/–

प्रकाशक

आर्य प्रतिनिध सभा राजस्थान राजापार्क,

जयपुर – 302004

0141–2621879, 9314032161

e-mail : aryapratinidhisabhrajasthan@gmail.com

मुद्रण : दिनांक 04.07.2023

दृष्ट्वा रूपे व्याकरोत् सत्यानृते प्रजापतिः।
अश्रद्धामनृतेऽदधाच्छ्रद्धां सत्ये प्रजापतिः।।

विषयानुक्रम

– भव्य होगा प्रांतीय आर्य महासम्मेलन' 04

– भजन सत्संग महिमा 06

– अचंभित हुई दुनिया..... 07

– बंगभूमि बांग्लादेश से एक पाती 11

– समाचार – वीथिका 13

आर्य मार्तण्ड पत्रिका में प्रकाशित समस्त लेखों में व्यक्त विचार सम्बन्धित लेखक के हैं। सम्पादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी प्रतिवाद हेतु न्याय क्षेत्र जयपुर ही होगा। आपत्ति की अवधि प्रकाशन तिथि से एक माह के भीतर ही मानी जायेगी।

दि राजस्थान स्टेट को–ऑपरेटिव बैंक लि.
खाता धारक का नामः–आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर
खाता संख्या :– **10008101110072004**
IFSC Code :- RSCB0000008
सभा को दिया गया दान आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत करमुक्त है।
AAHAA5823D/08/2020-21/S-008/80G

प्रकाशक एवं मुद्रक श्री जीव वर्धन शास्त्री ने स्वामी आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजापार्क जयपुर की ओर से वी.के. प्रिन्टर्स सुदर्शनपुरा जयपुर से आर्य मार्तण्ड पत्रिका मुद्रित कराई और आर्य प्रतिनिधि सभा राजापार्क जयुपर से प्रकाशित सम्पादक– **श्री जीव वर्धन शास्त्री–मन्त्री, आर्य प्रतिनिधि सभा**

भव्य होगा प्रांतीय आर्य महासम्मेलन’

– डॉ. मोक्षराज

यह सौभाग्य की बात है कि हम अपने जीवन काल में पुनर्जागरण के पुरोधा, महान समाज सुधारक, स्वराज्य के प्रथम मंत्रद्रष्टा, वेदोद्धारक, पिछड़ों व बिछुडों को गले लगाने वाले, पतितपावन, नारीसम्मान प्रदाता, विधवा पुनर्विवाह के पक्षधर, बाल विवाह, मृत्यभोज व भेदभाव के विरोधी, पांखंडियों व अंध मतवादियों के काल, मानवता के सच्चे प्रहरी, महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती का उत्सव मना रहे हैं ।

जिसके क्रम में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान द्वारा जयपुर में एक विशाल आर्य महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है ।

यह आयोजन भाद्रपद शुक्ल अष्टमी नवमी शनिवार–रविवार 23–24 सितंबर 2023 को राजस्थान विश्वविद्यालय के कॉलेज ग्राउंड में समारोहपूर्वक मनाया जाएगा ।

इस कार्यक्रम में आप सभी आर्यजन इष्ट मित्र व परिवार सहित सादर आमंत्रित हैं ।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण निम्न प्रकार हैं, जिनमें आप सभी की सहभागिता प्रार्थनीय है ।

’१. 200–200 बालक बालिकाओं के यज्ञोपवीत संस्कार’–

आप सभी पाठकों/आर्यजनों से प्रार्थना है कि हम अपने प्यारे ऋषि की स्मृति में अपने परिवार के बालक/बालिकाओं के यज्ञोपवीत संस्कार अवश्य कराएँ, क्योंकि यह ऐतिहासिक वर्ष है । जो बालक इस अवसर पर यज्ञोपवीत धारण करेंगे वे पूरे जीवन महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्म की दूसरी शताब्दी का स्मरण कर आजीवन उत्साह व सांस्कृतिक भावों से जुड़े रहेंगे । यह कार्यक्रम 23 सितंबर शनिवार को प्रातरू आयोजित होगा ।

अतः आप अपने बालक–बालिकाओं के विवरण मेरे मोबाइल 8696429696 पर वाट्सप द्वारा निम्न प्रकार भेजें –

जिला नाम–

बालक/बालिका का नाम –

आयु–

शिक्षा–

माता का नाम–

पिता का नाम–

घर का पूरा पता–

मोबाइल संख्या–

ई मेल पता–

पंजीयन राशि– 201 रुपये रहेगी जिसे आप आर्य मार्तण्ड के आगामी अंक में प्रकाशित खाते/नम्बर पर भेजेंगे ।

कृपया दिए गए नम्बर पर केवल यही सूचना भेजें। स्थान सीमित है अतरू तुरंत पंजीयन करावें।

२. ’नित्य अग्निहोत्र दीक्षा कार्यक्रम’– इस अवसर को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रदेश के 200 दंपतियों का आह्वान कर रहे हैं । जो नित्य अग्निहोत्र करने का संकल्प लेंगे । ऐसे दंपतियों के लिए 23 सितंबर शनिवार को दीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

अतः आप श्री नवीन मिश्रा जी के मोबाइल 94686 95713 पर वाट्सप द्वारा अपना विवरण निम्न प्रकार भेजें –

जिला नाम–

पति का नाम –

पत्नी का नाम–

आयु–

पति की शिक्षा–

पत्नी की शिक्षा–

संतानों की संख्या–

घर का पूरा पता–

मोबाइल संख्या–

ई मेल पता (यदि हो तो)–

पंजीयन राशि– 201 रुपये रहेगी, जिसे आप आर्य मार्तण्ड के आगामी अंक में प्रकाशित खाते/नम्बर पर भेज सकेंगे।

३. '200 कुंडीय यज्ञ–'

महर्षि दयानंद सरस्वती महाराज ने अग्निहोत्र को सर्वजनीन व सरल बना दिया है । अतरू हम घर–घर यज्ञ की भावना को मूर्त रूप देने के लिए 800 जोड़ों /1600 यजमानों द्वारा दो सौ कुंडीय विशाल यज्ञ कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं । जिसके लिए आप अपना पंजीयन अविलंब करा लें। पंजीयन हेतु श्री सुनिल अरोड़ा जी के मोबाइल नम्बर 97993 92970 पर निम्नलिखित सूचना भेजें।

पति का नाम –

पत्नी का नाम–

अथवा एकल यजमान का नाम–

आयु–

घर का पूरा पता–

मोबाइल संख्या–

ई मेल पता (यदि हो तो)–

पंजीयन राशि– 201 रुपये रहेगी, जिसे आप आर्य मार्तण्ड के आगामी अंक में प्रकाशित खाते/नम्बर पर भेज सकेंगे।

४. 'वर्षों से नित्य अग्निहोत्र करने वाले होंगे सम्मानित–'

इसके साथ ही हम ऐसे लोगों का भी विवरण चाहेंगे जो वर्षों से नित्य अग्निहोत्र कर रहे हैं । उन्हें इस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। कृपया पूज्य यशमुनि जी के मोबाइल 98291 38738 पर वाट्सप द्वारा अपना विवरण निम्न प्रकार भेजें–

जिला नाम–

एकल यजमान का नाम–

अथवा

पति का नाम –

पत्नी का नाम–

आयु–

घर का पूरा पता–

मोबाइल संख्या–

ई मेल पता (यदि हो तो)–

पंजीयन– निरूशुल्क ।

५. 'नवीन आर्य प्रचारक दीक्षा कार्यक्रम–'

मित्रों, महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने अपने धर्म और देश की रक्षा के लिए प्राणों तक का उत्सर्ग कर दिया ।उनके समय में जितनी विपरीत परिस्थितियाँ थीं, आज वैसी नहीं हैं ।

अब हम सभी यातायात एवं अन्य सुविधाओं से युक्त हैं । ऐसे में सेवानिवृत्ति के पश्चात् अपने जीवन का कुछ भाग हमें भी अपने देश–धर्म के लिए लगाना चाहिए ।

मेरे पितृतुल्य वरिष्ठ जनो ! महर्षि दयानंद सरस्वती जी महाराज के जन्म की दूसरी शताब्दी को सार्थकता प्रदान करने के लिए हमें उनके विचार तथा कार्यों को आज के परिप्रेक्ष्य में पूरा करने का यत्न आरंभ करना होगा । हमें नए संकल्प के साथ घर से भी निकलना होगा । इसके लिए हम स्वस्थ एवं स्वावलंबी पेंशनर्स अथवा किसी भी प्रकार के व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े सज्जनों व देवियों से प्रार्थना करते हैं ।

इसके लिए हम आपको विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि आपके पारिवारिक दायित्वों का हम पूरा सम्मान करेंगे तथा आपके जीवन के उत्कर्ष के लिए समय–समय पर आध्यात्मिक प्रशिक्षण भी देते रहेंगे।

कृपया पूज्य मुनि वेद जिज्ञासु जी के मोबाइल 86962 34688 पर वाट्सप द्वारा अपना विवरण निम्न प्रकार भेजें –

जिला नाम–

आपका नाम–

आयु–

व्यवसाय / विभाग–

पद नाम/ दायित्व–

घर का पूरा पता–

मोबाइल संख्या–

ई मेल पता (यदि हो तो)–

पंजीयन– निःशुल्क ।

हमें आशा है आप सभी के सहयोग से ये सभी कार्यक्रम भव्य एवं दिव्य होंगे।

वेद प्रचार अधिष्ठाता
तथा प्रचार एवं मीडिया

अपील

जो सज्जन आर्य महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए अपने तन, मन अथवा धन, किसी भी प्रकार की सेवा देना चाहते हैं , कृपया वे आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के मंत्री श्री जीव वर्धन शास्त्री जी से अवश्य से संपर्क करें ।

भजन सत्संग महिमा

– सुखलाल आर्य

दोहा– सतसंगत में बैठकर बोले झूठ अपार।
ऐसा नर कैसे तरे, डूबेगा मझधार।।1।।
सतसंग तैने जानिया, सत उतरा घट माँय।
सत ही सत्त को जानिया,
दूजा दरस्या नाय।।2।।

भजन– सतसंग का भजन बहुत गाते है,
करना कोई कोई जाने रे।। टेर।।
लख चौरासी में भटका भारी।
नई जूण की आई बारी।।
शुभ कर्मों से मिले मानव तन,
कोई–कोई जाने रे।।1।।

संत कबीर सा सिमरथ ज्ञानी।
रविदास घर गंगा आनी।।
यह सब सतसंग का प्रताप
–कोई–कोई जाने रे।।2।।

मीराँ बाई सजन कसाई।
कालू कीर ने सतसंग पाई।।
हो गया पल भर में बैराग्य
–कोई–कोई जाने रे।।3।।

गुटका सुटका पान मसाला।
मदिरा पी हो गया मतवाला।।
दुर्लभ सत का पन्थ
– कोई–कोई जाने रे।। 4।।

ऋषि दयानन्द सत पथ पाया।
आर्य सुखलाल उस पथ को धाया।
हो गया जीवन का कल्याण–
कोई–कोई जाने रे ।। 5।।

टिप्पणी : शब्दार्थ

1. तैने– उसने 2. घट–हृदय 3. जूण– नया जन्म, योनि 4. गंगा – ज्ञान गंगा 5. प्रताप – प्रभाव 6. वैराग्य–निर्मोह 7. सुटका–हुक्का 8. पंथ–मार्ग 9. धाया–दौड़ना पकड़ने का प्रयास।

टोंक, राजस्थान– 9460043778

अचंभित हुई दुनिया

'डॉ. मोक्षराज की शिष्या हॉलीवुड गायिका मैरी मिलबेन ने अमेरिका में भारत के प्रधानमंत्री के सम्मुख गाया राष्ट्रगान किए चरण स्पर्श'

('विश्व योग दिवस पर भी मोदी जी के साथ मिलबेन ने प्रथम पंक्ति में किया योग)'

– जीव वर्धन शास्त्री

शिक्षा के क्षेत्र में अजमेर की पहचान सदैव ही अव्वल रही है । इस ऐतिहासिक नगरी में जहाँ विग्रहराज चतुर्थ द्वारा सरस्वती कंठाभरण नाम का संस्कृत विद्यालय चलाया जाता था (अढ़ाई दिन का झोंपड़ा) वहीं दशकों से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, मिलिट्री स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, डीएवी कॉलेज, तथा अनेक डीएवी शिक्षण संस्थाओं ने देश विदेश में अजमेर का नाम रोशन किया है । इसी कड़ी में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हम एक ऐसी गुरु प्रतिभा से आपका परिचय करा रहे हैं, जिन्होंने विश्व स्तर पर अजमेर का गौरव बढ़ाया है । वे हैं योगगुरु डॉ. मोक्षराज जिनकी शिष्या मैरी मिलबेन की चर्चा सुर्खियों में है।

डॉ. मोक्षराज अमेरिका स्थित भारतीय राजदूतावास में अपनी तीन वर्षीय उत्कृष्ट सेवाओं के उपरान्त 2 वर्ष पूर्व स्वदेश लौट चुके हैं । भारतीय राजदूतावास, जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी एवं प्रवासी भारतीयों के संगठनों ने उनकी कार्यशैली व शिक्षण की विशेष प्रशंसा की थी। उनके कार्यों की चुम्बकीय शक्ति ने जहाँ भारत सरकार का ध्यान आकर्षित किया है वहीं कई देशों के नागरिक भी उनसे परिचित होने में गौरव अनुभव करते हैं।

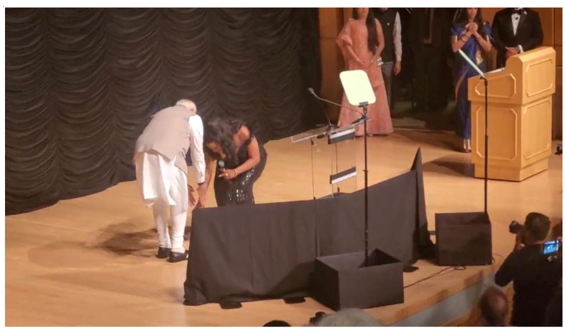

जब रीगन सेंटर में जन गण मन गाने के बाद मेरी मिलबेन ने आदर के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पांव छू लिए।
ये आदर सम्मान दुनियाभर में कभी किसी को शायद ना मिला हो....

उनके द्वारा अमेरिका में भारतीय भाषा, संस्कृति व योग की जो धूम मचायी गई, उसकी गूँज आज तक सुनाई दे रही है । भारतीय संस्कृति शिक्षक डॉ. मोक्षराज ने अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों, हॉलीवुड तथा भारतीय राजदूतावास में संचालित कक्षाओं के माध्यम से 17 देशों के नागरिकों को योग, हिंदी एवं संस्कृत भाषा सिखायी थी । किंतु उन सभी छात्रों में से अफ़्रीकन अमेरिकन मूल की हॉलीवुड अभिनेत्री प्रसिद्ध गायिका मैरी मिलबेन ने सर्वाधिक लोकप्रियता प्राप्त की है।

'हिंदी सीखने के लिए मिलबेन को व्हाइट हाउस से मिला डॉ. मोक्षराज का नाम'

मैरी मिलबेन ने एक बार व्हाइट हाउस में प्रवास के दौरान एक वरिष्ठ पत्रकार से पूछा कि

वे हिंदी सीखने के लिए क्या करें ? संयोग से वह व्यक्ति डॉ. मोक्षराज को जानते थे, जिन्होंने मिलबेन को भारतीय दूतावास में सम्पर्क के लिए कहा।

'राष्ट्रगान सीखने से मिलबेन के हृदय में भारत के प्रति पनपा अनुराग–'

डॉ. मोक्षराज ने मिलबेन की अभिरुचि का आकलन कर उन्हें भारत की महान संस्कृति से भी परिचित कराना आरंभ कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप मिलबेन भारत से प्रेम करने लगी।

आज़ादी के अमृत महोत्सव में भारत आयी थी मिलबेन–

डॉ. मोक्षराज ने मिलबेन को भारत का राष्ट्रगान एवं ओम् जय जगदीश हरे भजन भी सिखाया था। इन दोनों प्रस्तुतियों ने उनको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित कर दिया । उनकी इस लोकप्रियता के कारण आज़ादी के 75वें वर्ष पर आयोजित अमृत महोत्सव, 2022 में भारत सरकार ने उन्हें विशेष अतिथि के रूप में दिल्ली भी आमंत्रित किया था ।

उल्लेखनीय है कि 21 से 23 जून तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर थे, तब उन्होंने 21 जून को संयुक्त राष्ट्र महासंघ में आयोजित विश्व योग दिवस समारोह में भाग लिया, इस समारोह मे भारतीय उच्चायोग न्यूयॉर्क द्वारा मैरी मिलबेन को भी विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। जिसके आधार पर मिलबेन ने प्रधानमंत्री के साथ प्रथम पंक्ति में योगाभ्यास किया । इस सुखद पल को मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए डॉ. मोक्षराज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की ।

दैनिक भास्कर **अजमेर** 23-06-2023

देश का गौरव • अजमेर के योग गुरु डॉ. मोक्षराज की शिष्या हैं मैरी मिलबेन

अमेरिका में पीएम मोदी का सम्मेलन; मैरी गाएंगी राष्ट्रगान

अजमेर | अजमेर के डॉ. मोक्षराज की अमेरिकी शिष्या मैरी मिलबेन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने राष्ट्रगान गाएगी। 23 जून को मोदी प्रवासी भारतीयों के साथ एक सम्मेलन में उपस्थित रहेंगे। इस सम्मेलन में मैरी मिलबेन राष्ट्रगान की प्रस्तुति देंगी। मैरी मिलबेन आज भी नियमित रूप से डॉ. मोक्षराज से शिक्षा ले रही हैं। मिलबेन को डॉ. मोक्षराज ने भारत का राष्ट्रगान और ओउम जय जगदीश हरे भजन सिखाया था। आजादी की 75वें वर्ष पर आयोजित अमृत महोत्सव में भारत सरकार ने मिलबेन को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है।

अमेरिका में पीएम मोदी के साथ मैरी ने योग किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून को संयुक्त राष्ट्र संघ में विश्व योग दिवस समारोह में भाग लिया। भारतीय उच्चायोग न्यूयॉर्क द्वारा मैरी मिलबेन को भी आमंत्रित किया गया, जिसमें मिलबेन ने प्रधानमंत्री के साथ प्रथम पंक्ति में योगाभ्यास किया।

• **मैरी मिलबेन ने जताया गुरु के प्रति आभार:** पीएम मोदी के साथ प्रथम पंक्ति में योगाभ्यास करने के सुखद पल को मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए डॉ. मोक्षराज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।

'संस्कार की सुगंध–'

प्रधानमंत्री मोदी ने 22 जून को अमेरिकी संसद कैपिटॉल हिल में उद्बोधन दिया तथा 23 जून को प्रवासी भारतीयों के साथ एक सम्मेलन में उपस्थित रहे जहॉं मैरी मिलबेन ने राष्ट्रगान की प्रस्तुति के पश्चात् प्रधानमंत्री के पैर छुए, जिसके पश्चात यह ख़बर सुर्ख़ियों में आ गई तथा मिलबेन ने अपने गुरु डॉ. मोक्षराज का विशेष उल्लेख किया । मिलबेन ने सीएनएन, टाइम्स ऑफ़ इंडिया, इंडिया ज्ट , जी न्यूज़, न्यूज़ 18 आदि समस्त ज्ट चौनलों को अपने इंटरव्यू में डॉ. मोक्षराज का श्रद्धापूर्वक नाम लिया। तथा एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी सफलता का पूरा श्रेय भी डॉ. मोक्षराज को ही दिया । यह अजमेर के लिए गौरव की बात है।

'ऐसे हुई शुरुआत –'

डॉ. मोक्षराज बताते हैं कि "अफ़्रीकन अमेरिकन

मूल की प्रसिद्ध हॉलीवुड गायिका मैरी मिलबेन को उन्होंने मई 2020 में पढ़ाना आरंभ किया था । कुछ सप्ताह बाद ही उन्हें लगा कि मिलबेन को भारत का राष्ट्रगान भी सिखाना चाहिए और इसके लिए वह सहमत हो गई ।

हिन्दी वर्णमाला सिखाते हुए केवल तीन माह में डॉ. मोक्षराज ने उन्हें राष्ट्रगान के माध्यम से भारत के भूगोल, इतिहास, संस्कृति व संस्कारों से परिचित करा दिया । जिसके परिणामस्वरूप 15 अगस्त 2020 को मैरी ने प्रथम बार राष्ट्रगान गाकर करोड़ों भारतीयों का हृदय जीत लिया था।

'चर्च में भजन –'

डॉ. मोक्षराज के हृदय में बसी अपने प्रदेश की माटी के संस्कारों की सुगंध ने तब भी विश्व भर के प्रवासी भारतीयों का ध्यान खींच लिया था, जब मिलबेन ने एरिज़ोना की पहाड़ियों में स्थित एक चर्च में दीपावली के अवसर पर 'ओम् जय जगदीश हरे' भजन गाया। इस भजन की प्रस्तुति में भी राजस्थानी केसरिया लहंगा चुनरी में मिलबेन ने अपने संस्कारों एवं भारत की संस्कृति के प्रति अगाध श्रद्धा व्यक्त की ।

'मैरी ने मनाया नव सम्वत्सर –'

मिलबेन को दिए गए संस्कार और भारत के प्रति प्रेम के सरोवर की सीमा बढ़ती जा रही थी। डॉ. मोक्षराज बताते हैं कि हम दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को दृढ़ता प्रदान करने के लिए नये प्रयोग कर रहे थे । प्रायः देखा जाता है कि अमेरिका की धरती पर एक जनवरी को न्यू ईयर मनाने वाले तो बहुत लोग हैं, किन्तु चौत्र प्रतिपदा को नववर्ष मनाने वाले लोग नगण्य । इसलिए डॉ. मोक्षराज ने मिलबेन को भारतीय नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा, चेटीचंड अर्थात् नववर्ष मनाने की प्रेरणा भी दी थी, जिसके लिए मिलबेन ने 13 अप्रैल 2021 को अपने घर में चावल भात पकाकर 'ओम् अग्नये स्वाहा' तथा 'ओम् सोमाय स्वाहा' मंत्र बोलकर नया वर्ष मनाया ।

'भारत के प्रधानमंत्री के पैर छूकर सम्मान देना अमेरिका की पहली घटना–'

अमेरिका में भारत के प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान हज़ारों अमेरिकी भारतीय प्रवासियों के मध्य राष्ट्रगान गाने के उपरांत प्रधानमंत्री के चरण छूना उनके गुरु डॉ. मोक्षराज द्वारा दिए संस्कारों का ही परिणाम था । मिलबेन ने ऐसा करके संपूर्ण देश की जनता को जो सम्मान दिया है, वह अमेरिका व भारत के इतिहास की पहली घटना है ।

'संस्कारों को संजोकर रखें–'

दोनों देशों के इन सांस्कृतिक संबंधों के पीछे खड़े मिलबेन के गुरू आचार्य मोक्षराज ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपनी वेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश के नागरिक अपने संस्कारों को भुला रहे हैं, कहीं ऐसा न हो, कुछ समय बाद हम जैसे शिक्षक विदेशियों को शिक्षा देने की नैतिकता ही खो दें।

'आज भी ऑनलाइन पढ़ाते हैं–'

उल्लेखनीय है कि मैरी मिलबेन आज भी नियमित रूप से डॉ. मोक्षराज से निरू शुल्क शिक्षा ले रही हैं। निरूसंदेश यह हम सभी के लिए अभिमान का विषय है।

जो सब जगत् का निवासस्थान, सब रोगों से रहित और मुमुक्षुओं को मुक्ति समय में सब रोगों से छुड़ाता है, इसलिए परमात्मा का नाम 'केतु' है।

– सत्यार्थ प्रकाश

पंजीकृत पत्रावली क्रमांक 1/1896 ।।ओ३म्।। स्थापित 1887 ई.

कृण्वन्तो विश्वमार्यम् दूरभाष:0141-2621879

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

राजापार्क,आदर्श नगर,जयपुर - 302004

(सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 21 सन् 1860 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)

आर्य किशनलाल गहलोत	जय सिंह गहलोत	जीव वर्धन शास्त्री
प्रधान	कोषाध्यक्ष	मंत्री
मो.9829027481	मो.9829027460	मो.8209387906

क्रमांक 382/23 दिनांक : 22.06.2023

सेवा में

श्रीमान् अवर विधि अधिकारी महोदय
विधि एवं न्याय मंत्रालय
भारत सरकार कमरा नं0 228 द्वितीय तल
बी विंग, लोकनायक भवन,खान मार्केट
नई दिल्ली–110003

विषय :– प्रस्तावित समान नागरिक संहिता काननू के सम्बन्ध में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान का अभिमत।

विभिन्न मत सम्प्रदायों ने मानवता पर सदियों से कुठाराघात किए हैं। जाति, लिंग, क्षेत्र, शिक्षित–अशिक्षित, भाषा, मत, मजहब के नाम पर अनेकविध अन्याय होता रहा है। ऐसा करने से **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** का सामंजस्य एवं समतावादी सिद्धान्त निरन्तर धराशायी होते जा रहे हैं। एक ओर जहाँ धर्म के नाम पर कई–कई सन्ताने उत्पन्न करने से राष्ट्र के विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है तो दूसरी ओर किसी दुर्घटना की शिकार हुई एक–दो संतान के कारण माता–पिता का जीवन सूना हो रहा है। कहीं एक पत्नी अथवा एक विवाह की आदर्श व्यवस्था है तो कहीं धर्म की आड में कई पत्नियों अथवा बहुविवाह के कारण नारी लाचार होकर भोग–विलास की वस्तु बनकर भयग्रस्त नारकीय जीवन जीने के लिये विवश हो रही है। एक ओर जहाँ स्त्री को उत्तराधिकार से सहज वंचित कर दिया जाता है वहीं दूसरी ओर अक्षम, गुणहीन, मन्दबुद्धि पुत्र आदि को पूरी विरासत का स्वामी बना दिया जाता है। एक ओर अल्पसंख्यक के नाम पर विशेष सुरक्षा व परिलाभ मिलते हैं तो दूसरी ओर बहुसंख्यक होना अपराध तुल्य लगता है। अथर्ववेद में कहा है कि **"माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः"** अर्थात् हम सब धरती की संतान हैं। ऐसे में सभी सन्तानों को समान अधिकार मिलना नैसर्गिक माँग है।

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती ने इस प्रकार के सभी भेद–भावों को मिटाने का जो अभियान लगभग 150 वर्ष पहले चलाया था आज हम उनके 200वें जयन्ती वर्ष के अवसर पर जन–कल्याण के लिए भारतीय संसद द्वारा यदि सम्पूर्ण भारत की जनता को एक समान नागरिक मानने का अध्यादेश/कानून पारित किया जाता है तो यह उनकी दूरदर्शी भावना का सम्मान एवं मानवता की रक्षा होगी।

अतः इस पुनीत कार्य में राजस्थान प्रदेश की समस्त आर्य समाजें एक मत-से समर्थन व्यक्त करती हैं। भारत सरकार के इस महान् कार्य का हम पुनः पुनः अनुमोदन करते हैं। **"त्वं हि नः पिता वसो त्वं माता शतक्रतो बभूविथ।"**

प्रस्तावित कानून को पारित करवाने के लिए बहुशः अग्रिम शुभकामनाएँ।

(जीव वर्धन शास्त्री)
मन्त्री

मंत्री
आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
जयपुर-4

बंगभूमि बांग्लादेश से एक पाती

आचार्य आनंद पुरुषार्थी

इंडिगो के वायुयान से 20 फरवरी को नईदिल्ली से रवाना होकर दोपहर 3–45 पर ढाका पहुँचे। ये हमारी पन्द्रहवी विदेश मात्रा है। इसके पूर्व भारत के 29 प्रान्तों और विश्व के 6 महाद्वीपों के लगभग 15 देशों में वैदिक धर्म का प्रचार हम कर चुके है।

2 मार्च 2013 को सायं 5.30 बजे बंग्लादेश से भारत के राजदूत श्री प्रणय वर्मा जी (India High Commissioner) से एक शिष्टमंडल के साथ जाकर मुलाकात की।

अंग्रेजी, हिन्दी, बांग्ला भाषा का आर्य वैदिक साहित्य भेट किया। आर्य समाज के आनुषंगिक संगठन अग्निवीर बांग्लादेश के बारे में जानकारी दी।

स्थानीय आर्य युवकों के प्रति सहयोग पूर्ण स्नेह बनाये रखने का आग्रह किया।

अंग्रेजो ने हमारे तत्कालीन नेता ओ की स्वीकृति से 1947 में धर्म के नाम पर बंटवारे में भारत भूमि को दो भागों में बांट कर पाकिस्तान से मिला दिया। 1955 में इस भाग को पाक नेताओं ने पूर्वी पाकिस्तान का नाम देकर सौतेला व दमनीय व्यवहार प्रारंभ कर दिया।

तो मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन मुखर हो उठा। 1970 में पाक सेना ने 30 लाख बंगाली लोगों का कत्लेआम किया, 2 लाख महिलाओं का शीलभंग हुआ, इनमें हिन्दू ही ज्यादा थे। 10 लाख शरणार्थी भारत पहुंचे तब भारत को हस्तक्षेप करना पड़ा।

3 दिसंबर 1972 को युद्ध प्रारंभ हो गया। अंततः 93000 पाकिस्तानी सेना का भारतीय सेना के समक्ष ऐतिहासिक आत्मसमर्पण हुआ।

उदारतापूर्वक भारत में इन को अलग अलग कैंपों रखा गया अन्यथा बंग जनता इन को जीवित ही न छोड़ती। भारत ने इस आकस्मिक युद्ध में विजय प्राप्त की । और 16 दिसंबर 1971 विश्व के क्षितिज में नये देश बांग्लादेश का उदय हुआ।

केवल साढ़े तीन साल के अंदर ही आतंकियो ने देश के जनक व प्रथम राष्ट्रपति मुजीबुर रहमान को सपरिवार गोली मार कर पूरे परिवार को समाप्त कर दिया उनकी 2 बेटियां जर्मनी गई थी अन्यथा अनर्थ हो जाता। 15 साल के अल्प काल में 8 राष्ट्रपति बने वर्षो तक अस्थिरता रही अब उनकी बेटी शेख हसीना जी देश की प्रधानमंत्री है।

पश्चिम बंगाल मेघालय मिजोरम त्रिपुरा व आसाम इन पांच राज्यों के साथ, वर्मा देश व बंगाल की खाड़ी का स्पर्श बांग्लादेश की सीमा करती है। मध्य प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का लगभग आधा 148460 वर्ग किलोमीटर का यह छोटा सा देश है। इस की जनसंख्या 18 करोड़ है जिसमें मुस्लिम 90% हिंदू 8% लगभग डेढ़ करोड़ और 1% मे ईसाई व बौद्ध लोग हैं।

25000 लोगआर्यसमाज से प्रभावित है। आर्यसमाज के सारे देश में कुल 45 मंदिर व 150

शाखाएं हैं।

जाकिर नायक व ब्राह्मण से मुस्लिम बने ब्रदर राहुल इन दोनो ने सैकड़ों हिन्दूओ को अपने कुतर्कों से मुस्लिम बनाया। भारत के अग्निवीर संगठन ने जब सोशल मीडिया से इनको यथोचित उत्तर दिया तो डॉक्टर निलय जी आर्य समाज से प्रभावित हुए और उन्होंने 2012 मे यहाँ अग्निवीर बांग्लादेश की स्थापना की।

जिसमे 200 डॉक्टर 150 इंजीनियर, 50 पुलिस अधिकारी, सी.ए., प्रोफेसर व विश्व विद्यालय के सैंकडों छात्र छात्राये है।

agniveerbangla.org व back 2 the vedas इन दो बेब साइड के माध्यम में सैकड़ों हिन्दुओं को यह संगठन बचा चुका है।

जाकिर नाइक व ब्रदर राहुल की बोलती इन अग्निवीरो ने बंद कर दी है। बड़ी संख्या में आर्य साहित्य का ये अनुवाद कर चुके हैं। इनमें 30 पुस्तकें प्रकाशित भी हो चुकी है। बांग्लादेश में इन्होंने हमारे 8–10 कार्यक्रम रखे थे जिसमे 226 उच्च शिक्षित युवक–युवतियों के यज्ञोपवीत व वेदारंभ संस्कार कराने का सौभाग्य हमे प्राप्त हुआ।

लव जिहाद, हिन्दू मंदिरों को तोड़ना, देवी देवताओं पर अश्लील कमेंट अत्रत्य मौलवी करते रहते हैं।

देश में 8 डिवीजन व 64 जिले हैं व्यापार में मुस्लिम पार्टनर रखना मजबूरी है अन्यथा सरकारी समस्याये आती है। अधिकतर मंदिरों में बलि दी जाती है प्रजा 99% मांसाहारी हैं।

ढाकेश्वरी मंदिर, रमना काली मंदिर, सबसे बड़ा समुद्री तट, coxes Bazar, Saint marin Island, रुक्मिणीकांत ज्यू मंदिर, चंद्रनाथ मंदिर, अलग अलग नगरों में इस्कान के बहुत सारे मंदिर, म्यूजियम राजमहल आदि पर्यटन व दर्शनीय स्थल हैं।

यहाँ की मुद्रा टका है जो भारत 100 में 120 के बराबर है। जो युवतियां हिन्दू युवको से विवाह कर घर वापसी करना चाहती है इनकी शुद्धि आर्य अग्निवीर करते है।

कोई स्थायी विद्वान मिले तो एक गुरुकुल बांग्लादेश में खोलना चाहते हैं।

मंजिल बहुत अफसाने बहुत,
राह जिंदगी में इंतहान बहुत हैं।
मत करो गिला उसका जो मिला नहीं,
इस दुनिया में खुश रहने के बहाने बहुत हैं।

गृह मंदिर व आर्य समाज मंदिर में सभी को नमस्ते कहें।

आर्य समाज मंदिर, दयागंज, ढाका (बांग्लादेश)
+917987372305

बहुत बहुत धन्यवाद आप सभी का जिन्होंने भी मुझे मेरे जीवन के 62 बसंत पूर्ण होने पर बधाई प्रेषित कर मेरा आत्म बल बढ़ाया और आप सभी को आश्वस्त करना चाहूँगा कि मेरे जीवन के बचे प्रत्येक क्षण वैदिक धर्म रक्षा में अर्पित करता रहूँगा

आपका आशीर्वाद ही मेरी पूँजी है। न चाहिए मुझे गाड़ी बांग्ला न चाहिए मुझे धन दौलत न चाहिए मुझे मान सम्मान ।बस मुझे चाहिए तो परमात्मा का सच्चा पुत्र बन कर उसके ही कार्य करता रहूं मेरे उस कार्य में मुझे जिनका भी सहयोग मिले उनको भी परमात्मा का आशीर्वाद मिले यह मंगल कामना करता हूँ। **श्री किशनलाल जी गहलोत आर्य–प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर**

समाचार – वीथिका

1. बलिवैश्वदेव यज्ञ विशेषकर व्यक्ति के मरने के बाद इस आशय से किया जाता है कि जो भी भोजन आदि रखा जाता है। वह मृतात्मा को मिलता है पर ऐसा होता नहीं है उस भोजन को कुत्ते आदि ही खा जाते हैं।

ज्ञातव्य है कि जिन मृतात्माओं को मोक्ष प्राप्त नहीं होता है। उन सबका किसी न किसी योनि में पुनर्जन्म होता है। अतः चौरासी लाख योनियाँ मनुष्य के पूर्वज ही हैं। यदि इन योनियों में कोई दुःखी भूखा प्यासा है तो मनुष्य का पूर्वज ही है।

यह भी सत्य है हमारा व्यक्तिगत पूर्वज कुत्ता, गायादि यह नहीं होगा जिसे हम खिला रहे हैं पर दुनिया के सभी लोग यदि बलिवैश्वदेव यज्ञ प्रतिदिन करें। तो किसी के पूर्वज को हम खिलाएंगे तो कोई हमारे पूर्वज को भी खिलाएगा।

जिन योनियों को खिलाने के लिए लिखा है वे निम्न तथा दुखी योनियां मानी जाती हैं। दुखी की ही सहायता की जाती है ।सुखी की करने की आवश्यकता नहीं । – **रमाशंकर शिरोमणि**

2. शादी की ३४वीं वर्षगांठ पर आर्य चौधरी गोवर्धनसिंह सियाद ने ली समाज सेवा की प्रतिज्ञा – अपना घर वृद्धाश्रम, बीकानेर, 27 जून बीकानेर जिला आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष आर्य चौधरी गोवर्धन सियाद ने अपनी शादी के 34वें वर्षगांठ पर पत्नी श्रीमती कामना चौधरी तथा अन्य परिवारी जनों के साथ यज्ञ कर अपना शेष जीवन समाज सेवा कर बिताने की घोषणा की, उन्होंने ने बताया कि परिवार की समस्त उत्तरदायित्वों को उन्होंने पूर्ण कर दिया है। दोनों बेटियों को पढ़ा लिखा कर शादी कर दी है। एक बेटी श्रीमती जागर्ति सियाग सरकारी डॉक्टर है और दामाद भी श्री के.सी. पूनिया सेना मे़ डॉक्टर (कैप्टन) हैं। दूसरी बेटी श्रीमती प्रियंका सियाग प्रोफेसर है और दामाद श्री दीपक लाम्बा बीपीसीएल में प्रबंधक पद पर कार्यरत हैं। पत्नी श्रीमती कामना चौधरी स्वयं एडवोकेट हैं और और बीकानेर में ही वकालत कर रही हैं। यज्ञ के पुरोहित आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के बीकानेर संभाग के उपप्रधान श्री आनंद मोहन जी थे। उन्होंने आर्य वैदिक सनातन सेवा समिति के माध्यम से वेद का प्रचार गुरुकुल शिक्षा, संस्कार व सेवाश्रम, बेसहारों को सहारा तथा कुरीतियों के निर्वाण के लिए संकल्प लिया। इस समय परिवारीजन व कुछ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद उपस्थित सभी लोगों को विशेष भोजन कराया गया। शान्ति पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

3. वृष्टि यज्ञ– महर्षि दयानन्द सरस्वती की द्वितीय जन्म शताब्दी को समर्पित आर्य समाज छानी बड़ी जिला हनुमानगढ की ओर से दिनांक 25 जून 2023 से 30 जून 2023 तक वृष्टि यज्ञ का आयोजन स्वामी यज्ञमुनी जी व सुरेंद्र सिंह जी राघव (म०प्र०) के सानिध्य में किया जा रहा है।

आर्य समाज के मंत्री मानसिंह आर्य ने बताया कि इस पावन यज्ञ कृत्य में आर्य समाज के प्रधान श्री राजपाल जी आर्य की कर्मठता, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के उप प्रधान श्री आनंद मोहन जी आर्य व श्री बलजीत सिंह जी आर्य की विशेष प्रेरणा प्राप्त हुई है। श्री श्रीराम जी गोयल, श्रीमती कलावती देवी धर्मपत्नी स्व श्री रमेशचंद्र जी गोयल, श्री महावीर जी गोयल का विशेष आर्थिक सहयोग मिला।

आर्य समाज के कर्मठ एवं लगनशील कार्यकर्ता ज्ञानचंद आर्य, प्रदीप आर्य, कृष्ण कुमार अध्यापक, सतपाल आर्य, सुरेश जी प्रधानाचार्य, लालचंद जी सुथार, प्रेम प्रकाश जी प्रधानाचार्य, राममूर्ति सुथार, महेन्द्र सिंह जी झूरिया, धर्मेशचन्द्र, अनिल, दीपक जयपाल आर्य, कृष्ण कुमार, नरेंद्र, सुमन, बिमला, गीता, आर्या का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग मिल रहा है।

4. समस्त आर्यसमाजों के पदाधिकारियों से विनम्र अपील— महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वें जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 23 एवं 24 सितम्बर 2023 को राजस्थान की राजधानी जयपुर में प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राजस्थान प्रान्त के समस्त आर्यो की उपस्थिति अपेक्षित है।

अतः समस्त आर्यसमाजों के प्रधानों एवं मन्त्रियों से अनुरोध है कि वे यदि कोई अपने आर्य समाज अथवा अपने क्षेत्र में कोई कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं तो कृपया इन दिनांकों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित करें ताकि प्रान्तीय महासम्मेलन को अधिकाधिक भव्य बनाया जा सके। आपसे अनुरोध है कि अपने क्षेत्र के समस्त आर्यजनों से उक्त कार्यक्रम में सम्मलित होने की अपील करें। धन्यवाद।

आर्य किशनलाल गहलोत—**प्रधान**
जयसिंह गहलोत—**कोषाध्यक्ष**
जीववर्धन शास्त्री— **मन्त्री**

5. अपना घर रानी बाजार में फल एवं आम रस का वितरण — जिला प्रतिनिधि सभा आर्य समाज प्रधान श्री गोवर्धन सिंह ने अपने आज जन्म दिवस के उपलक्ष पर अपना घर रानी बाजार बीकानेर में बेसहारा लोगों के बीच फल एवं आम रस का उन्होंने इस उपलक्ष पर सभी जन समुदाय से अपील की जन्म दिवस एवं वैवाहिक वर्षगांठ जैसे अवसरों पर बेसहारा एवं असहाय लोगों के बीच में जाकर अपनी खुशी को बातें एवं उनके साथ बात कर उन्हें भी खुश रहने का अवसर प्रदान करें

आज सामाजिक व्यवस्थाओं के चलते हुए हजारों लोग बेसहारा एवं असहाय होकर अपना घर वृद्ध आश्रम एवं अनेक सामाजिक संस्थाओं में अपना जीवन यापन कर रहे हैं

हम सबका यह दायित्व बनता है कि विभिन्न अवसरों पर जाकर उनके बीच अपना समय व्यतीत करें और मुरझाए हुए चेहरों पर वापस एक बार खुशियों के रंग बिखेरे

6. चुनाव संपन्न— श्री रामनिवास सैनी प्रधान बने। तिजारा आर्य समाज के सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न हुए जिसमें रामनिवास सैनी को प्रधान चुना गया जो शीघ्र ही अपनी कार्यकारिणी का गठन कर घोषित कर देंगे निर्वाचन अधिकारी हनुमान सैनी रहे जिन्होंने बड़े सौहार्दपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराया, इस अवसर पर महेंद्र सिंह आर्य, रामअवतार सोनी, भरत सिंह सैनी, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य फतेह सिंह, जयसिंह, लक्ष्मणसिंह, रतनलाल, ओम यादव, ख्यालीराम, सुरेश कुमार, फूल सिंह, लेखीराम सैनी, अनिल सैनी, पार्षद शिव दयाल सैनी व सत्येंद्र देव उपस्थित रहे।

श्री किशनलाल जी गहलोत आर्य—प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर को जन्मदिन के सुअवसर पर उनको हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। सादर नमस्ते।

— **ओमप्रकाश गुप्ता**—मन्त्री, आर्य समाज जनता कॉलोनी, जयपुर, राजस्थान

पांच कुण्डीय यज्ञ एवं ऋषि लंगर (प्रसाद) कार्यकम आयोजित

अलवर (का.सं.) मंगलवार को आर्य समाज, श्री छोटूसिंह आर्य धर्मार्थ समिति, आर्य कन्या विद्यालय समिति एवं जन सहयोग से सायं 4.00 बजे से पांच कुण्डीय यज्ञ एवं ऋषि लंगर (प्रसाद) कार्यकम आर्य समाज स्वामी दयानन्द मार्ग, अलवर में जगदीश प्रसाद गुप्ता, प्रधान आर्य कन्या विद्यालय समिति अलवर संरक्षण में प्रारम्भ हुआ । मुख्य अतिथि इन्द्रजीत सिंह, अतिरिक्त कलेक्टर, अलवर रहे एवं अध्यक्षता अशोक योगी, सचिव, नगर विकास न्यास, अलवर ने की तथा अतिथि दौलत राम हजरती, मुख्य ट्रस्टी, खानचन्द चिमनी बाई हजरती स्मृति ट्रस्ट दिनेश भार्गव, इंजि. सुरेश कुमार दरगन, बनारसी देवी शर्मा, विनोद अग्रवाल, मदन लाल अरोडा,कृष्ण लाल अदलखा, धर्मवीर आर्य, सर्वेश गुप्ता, हरिनारायण गुप्ता एडवोकेट, श्रीमती प्रेमलता गुर्जर आदि रहे। मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का स्वागत प्रदीप कुमार आर्य द्वारा पीत वस्त्र अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि एवं अतिथियों ने पांच कुण्डीय यज्ञ में पूर्णाहुति दी। यज्ञ के उपरान्त आर्य समाज, श्री छोटूसिंह आर्य धर्मार्थ समिति,

आर्य कन्या विद्यालय समिति एवं जन सहयोग से ऋषि लंगर (प्रसाद) कार्यकम में लगभग 8,000 लोगों को हल्वा, पुरी एवं काशीफल की सब्जी सुव्यवस्थित तरिके से बांटी गई । भोजन (प्रसाद) 500 लोगों का विजन संस्थान को भी भिजवाया गया। इस अवसर पर सर्वश्री अशोक कुमार आर्य, प्रदीप कुमार आर्य, कमला शर्मा, बृजेन्द्र देव आर्य, शिव कुमार कौशिक, प्रद्युम्न कुमार गर्ग, वेद प्रकाश गोठवाल, कृष्ण लाल अदलखा, धर्मवीर आर्य, सुभाष आर्य, सर्वेश आर्य, इंजि सुरेश कुमार दरगन, रघुवीर आर्य, वैद्य मुरारी लाल भारद्वाज, राम लाल आर्य, रामविलास अग्रवाल, सुनील कुमार आर्य, संजय, हेम राज कक्षा, प्रमोद आर्य, सौरभ आर्य, श्रीमती इन्द्रा आर्य, श्रीमती सरला आर्य, श्रीमती कमल आर्य, संजू गर्ग, डॉ. दिविशा आर्य, नरेन्द्र मोहन शर्मा, हिमांशु शर्मा-अध्यक्ष विजन संस्थान, चिन्टू विजन, परशुराम शर्मा - गौ सेवक, प्रमोद शर्मा - बैंक ऑफ बडौदा, छंगामल लखेरा, रामगोपाल सोनी, भगवान सैनी, आर्य कन्या परिवार एवं आर्य समाज, के गणमान्य जन उपस्थित रहे।

Created by Universal

क-सुशील झालानी के द्वारा डी.बी. कार्प लिमिटेड, दिल्ली रोड, मूंगस्का, अलवर से मुद्रित ...

विश्व योग दिवस २१ जून २०२३ को आर्य प्रतिनिधि सभा भवन,जयपुर में कार्यालय प्रभारी के साथ योग करते हुए छात्रगण।

डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/214/2023-25

आर. एन. आई नं.10471/60

मंत्री श्री जीव वर्धन शास्त्री के आर्य समाज केकड़ी पधारने पर पदाधिकारियों द्वारा स्वागत।

आर्य समाज तिजारा,अलवर के सर्वसम्मति से श्री रामनिवास सैनी को प्रधान चुना गया ।

आर्य महासम्मेलन के लिए मैदान का अवलोकन करते हुए डॉ. मोक्षराज, पं. जीव वर्धन शास्त्री एवं डॉ. सुधीर शर्मा ।

प्रेषक:-

सम्पादक
आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
राजा पार्क, जयपुर-302004

प्रेषित